collegebatch.com

Series QS1PR/1

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **29/1/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

collegebatch.com

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

रात यों कहने लगा मुझसे गगन का चाँद
आदमी भी क्या अनोखा जीव है !
उलझनें अपनी बनाकर आप ही फँसता,
और फिर बेचैन हो जगता, न सोता है ।
    जानता है तू कि मैं कितना पुराना हूँ ?
    मैं चुका हूँ देख मनु को जनमते-मरते
    और लाखों बार तुझ-से पागलों को भी
    चाँदनी में बैठ स्वप्नों पर सही करते ।
आदमी का स्वप्न ? है वह बुलबुला जल का
आज उठता और कल फिर फूट जाता है
किन्तु, फिर भी धन्य, ठहरा आदमी ही तो ?
बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है ।
    मैं न बोला किन्तु मेरी रागिनी बोली,
    देख फिर से, चाँद ! मुझको जानता है तू ?
    स्वप्न मेरे बुलबुले हैं ? है यही पानी ?
    आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू ?
मैं न वह जो स्वप्न पर केवल सही करते,
आग में उसको गला लोहा बनाता हूँ ।
और उस पर नींव रखता हूँ नये घर की,
इस तरह दीवार फ़ौलादी उठाता हूँ ।
    मनु नहीं, मनु पुत्र है यह सामने, जिसकी
    कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
    बाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
    स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है ।

collegebatch.com

स्वर्ग के सम्राट को जाकर खबर कर दे,
रोज ही आकाश चढ़ते जा रहे हैं वे,
रोकिये, जैसे बने इन स्वप्नवालों को,
स्वर्ग की ही ओर बढ़ते आ रहे हैं वे ।

(i) चाँद को किस बात का अहंकार है ?

(A) अपने सौंदर्य का

(B) आदिमानव को देखने का

(C) सृष्टि में प्राचीनतम होने का

(D) कवि को कविता लिखते देखने का

(ii) चाँद के अनुसार मनुष्य का स्वप्न किसके समान है ?

(A) पानी

(B) आग

(C) बुलबुले

(D) लोहे

(iii) आदमी को धन्य क्यों कहा गया है ?

(A) नित नई कल्पना करने के कारण

(B) सपनों पर कविता लिखने के कारण

(C) नये-नये सृजन करने के कारण

(D) बुलबुलों से खेलने के कारण

(iv) मैं न वह जो .... लोहा बनाता हूँ – पंक्तियों में मनुष्य की किस शक्ति को महत्त्व दिया है ?

(A) क्रियात्मक प्रतिभा (B) वैचारिक प्रतिभा

(C) काल्पनिक प्रतिभा (D) विश्लेषणात्मक प्रतिभा

collegebatch.com

(v) नये घर की नींव रखकर उसे फौलादी बनाने से क्या अभिप्राय है ?

(A) सुंदर समाज की रचना

(B) सुदृढ़ समाज की रचना

(C) आधुनिक समाज की रचना

(D) नए, मजबूत घर की रचना

(vi) 'मनु नहीं, मनु पुत्र है यह सामने' पंक्ति में 'मनु पुत्र' किसे कहा गया है ?

(A) कवि को

(B) आधुनिक मानव को

(C) आदिमानव की संतान को

(D) क्रियात्मक शक्ति से युक्त मानव को

(vii) 'स्वर्ग का सम्राट' प्रतीकार्थ है :

(A) स्वर्ग के अधिपतियों का

(B) दैवीय शक्तियों का

(C) सत्ताधारी वर्ग का

(D) सकारात्मक प्रगति के विरुद्ध खड़ी शक्तियों का

(viii) 'रोज ही आकाश चढ़ते आ रहे हैं' – का आशय है :

(A) आकाश की ऊँचाइयों को छू रहे हैं

(B) अंतरिक्ष में पहुँच रहे हैं

(C) नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहे हैं

(D) रूढ़ियों पर विजय पा रहे हैं

collegebatch.com

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' घोषित किया गया है । इस प्रस्ताव का सत्तर से अधिक देशों ने समर्थन किया है । इसका उद्देश्य पोषक अनाज के टिकाऊ उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के साथ इसके उपभोग के लिए लोगों को प्रेरित करना है । राष्ट्रीय स्तर पर अब किसी को संदेह नहीं रह गया है कि मोटे अनाज का उत्पादन, खपत, प्रसंस्करण, निर्यात और इसमें प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल बढ़ना तय है । मोटे अनाज केवल भविष्य ही नहीं है, मोटे अनाज का समृद्ध इतिहास भी रहा है । मोटे अनाज में मुख्य तौर पर ज्वार, बाजरा, महुआ, जौ, कोदो, साँवा, बाजरा, कुटकी, कांगनी जैसे अन्न शामिल हैं । इन्हें श्री अन्न या कदन्न भी कहते हैं । श्री अन्न भारत और दुनिया के लोगों द्वारा खेती और उपभोग किए जाने वाले सबसे शुरुआती अनाजों में से एक है ।

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से अनाजों के उत्पादन पर असर दिखने लगा है । भविष्य में अति विषम जलवायु का अनुमान लगाया जा रहा है । कदन्न फ़सलें ऐसी जलवायु में अच्छी साबित हो सकती हैं । कृषि वैज्ञानिकों ने भी मोटे अनाज के महत्त्व को समझा है । अनेक मोटे अनाज की खेती कम पानी और विषम जलवायु में भी संभव है । जलवायु और जमीन के हिसाब से मोटे या पोषक अनाजों की खेती को बढ़ावा देने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है । ये अनाज किसानों के लिए ज्यादा कारगर हो सकते हैं क्योंकि मोटे अनाज के उत्पादन में लागत कम आती है । ये फ़सलें मिट्टी की कमियों के प्रति भी कम संवेदनशील हैं तथा इन्हें कम जलोढ़ या लोमी मिट्टी में भी उगाया जा सकता है । इन्हें जल, उर्वरक और कीटनाशकों की भी न्यूनतम जरूरत पड़ती है । मोटे अनाज की खेती कार्बन फुट प्रिंट को भी कम करने में मदद करती है ।

मोटे अनाज के सेवन से स्वास्थ्य सुदृढ़ हो सकता है । ये अनाज अपने उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और लौह तत्त्व जैसे खनिजों के कारण गेहूँ और चावल की तुलना में कम खर्चीले और पौष्टिक रूप से बेहतर होते हैं । मोटापा और मधुमेह जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में मदद करते हैं इसलिए इन्हें 'सुपर फूड' भी कहा जाता है ।

(i) मोटे अनाज को 'भविष्य का भोजन' क्यों कहा गया है ?

(A) भविष्य में केवल इन्हीं की खेती संभव होने के कारण

(B) तेजी से बदलती जलवायु परिस्थितियों में भी इनकी खेती संभव होने के कारण

(C) कम लागत में अधिक पैदावार होने के कारण

(D) विश्व को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता के कारण

(ii) 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' की घोषणा का उद्देश्य है :

(A) देश को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना

(B) मोटे अनाज को फिर से चलन में लाना

(C) मोटे अनाज के लाभों से परिचित कराना

(D) मोटे अनाज के सेवन और उत्पादन के लिए प्रेरित करना

(iii) जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से कदन्न फ़सलें क्यों महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकती हैं ?

(A) किसी भी प्रकार की मिट्टी में लगाए जा सकने के कारण

(B) विषम जलवायु में भी खेती की जा सकने के कारण

(C) खाद और कीटनाशक दवाइयों की जरूरत कम होने के कारण

(D) लोगों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के कारण

(iv) किसानों के लिए कदन्न फसलें लाभकारी हैं, क्योंकि :

(A) इन्हें लगाने में अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता

(B) इन्हें बार-बार पानी नहीं देना पड़ता

(C) अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में इनकी माँग अधिक है

(D) इनके उत्पादन में लागत कम आती है

(v) 'ये फ़सलें मिट्टी की कमियों के प्रति कम संवेदनशील हैं' पंक्ति का अभिप्राय है :

(A) मिट्टी की गुणवत्ता के अनुसार स्वयं को ढाल लेती हैं ।

(B) मिट्टी की गुणवत्ता का इन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता ।

(C) कम गुणवत्ता वाली मिट्टी में भी इन्हें लगाया जा सकता है ।

(D) कम गुणवत्ता वाली मिट्टी में इन्हें नहीं लगाया जा सकता है ।

(vi) गेहूँ, चावल जैसे अनाजों की तुलना में मोटा अनाज क्यों बेहतर है ?

(A) कम लागत और पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण

(B) कम मेहनत से खेतों में आसानी से पैदा होने के कारण

(C) सभी प्रकार की मिट्टी में उगाए जाने के कारण

(D) गेहूँ, चावल की तुलना में सस्ता होने के कारण

collegebatch.com

(vii) मोटे अनाज को पोषक अनाज या सुपर फूड के नाम से क्यों जाना जाता है ?

(A) अधिक टिकाऊ और गुणवत्ता से परिपूर्ण होने के कारण

(B) सुपाच्य और कम खर्चीला होने के कारण

(C) पौष्टिक और स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होने के कारण

(D) बहुतायत में उपलब्ध होने के कारण

(viii) मोटे अनाज की लोकप्रियता को बढ़ाया जा सकता है :

(A) गुणवत्ता के प्रति लोगों को जागरूक कर

(B) इसकी पैदावार को बढ़ाकर

(C) विदेशों में निर्यात बढ़ाकर

(D) लोगों के बीच इसे वितरित कर

(ix) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : कदन्न की फ़सल को कम जलोढ़ या लोमी मिट्टी में भी उगाया जा सकता है ।

कारण : इन्हें जल, उर्वरक और कीटनाशकों की न्यूनतम जरूरत पड़ती है ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है ।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(x) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

I. मोटे अनाज के सेवन से स्वास्थ्य सुदृढ़ होगा ।

II. मोटा अनाज कृषि-क्षेत्र को मजबूत करेगा ।

III. बदलती जलवायु परिस्थितियों में केवल मोटा अनाज ही उगाया जा सकेगा ।

विकल्प :

(A) केवल I (B) केवल III

(C) I और II दोनों (D) II और III दोनों

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *7×1=7*

(i) पूरे मुहल्ले में सूरदास की बदनामी का कारण था :
- (A) दृष्टिहीन व्यक्ति के पास पाँच सौ से अधिक रुपये मिलना
- (B) सुभागी का रात भर सूरदास की झोंपड़ी में रहना
- (C) जमीन का मालिक होते हुए भी सूरदास का भीख माँगना
- (D) गाँव वालों के मन में सूरदास के प्रति ईर्ष्या की भावना

(ii) बालकों की विशेष रुचि होती है :
- (A) संख्याओं में
- (B) खाने में
- (C) खेल में
- (D) सोने में

(iii) 'बिचारी कहाँ मारी-मारी फिरेगी ? यह कलंक भी मेरे सिर लगना था ।' – इस कथन में किस 'कलंक' की बात हो रही है ?
- (A) सुभागी के घर से बेघर होने की
- (B) सुभागी और सूरदास के संबंधों की
- (C) भैरों द्वारा सुभागी के साथ मारपीट की
- (D) सुभागी की गाँव भर में निंदा की

(iv) 'दाँत निकाले हैं, टीसत है' – पंक्ति में 'टीसत' का अर्थ है :
- (A) किसी भी चीज़ को दाँत से यों ही काटना
- (B) कट जाने के कारण दर्द से कसकना
- (C) दाँत निकाले जाने पर होने वाला दर्द
- (D) नए दाँत निकलने पर होने वाला दर्द

(v) बत्तख जब अंडा देने वाली होती है तब :
- (A) अपने पंखों को फुलाकर बैठ जाती है ।
- (B) अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरनाक हो जाती है ।
- (C) पानी छोड़कर जमीन पर आ जाती है ।
- (D) जमीन छोड़कर पानी में चली जाती है ।

(vi) 'आसमान तो घऊँ-घऊँ कर रहा था ।' – पंक्ति का अर्थ है :
- (A) आसमान गरज रहा था ।
- (B) आसमान में बादल गरज रहे थे ।
- (C) आसमान में बिजली कड़क रही थी ।
- (D) आसमान में बादल घिर रहे थे ।

(vii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसा गिरा करता था ।

कारण : विकास की औद्योगिक सभ्यता के दुष्प्रभाव से मालवा भी अछूता नहीं रहा ।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं । सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है । परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हजूरी । जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है । कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है । वह वशी है । वह वैरागी है । राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है । जनक की ही भाँति वह घोषणा करता है – मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरे के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ .... कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता । मनस्वी मित्र, तुम धन्य हो !

(i) सुखी कौन है ?

(A) जिसका मन अपने नियंत्रण में है

(B) जिसके पास सुख-सुविधा के साधन हैं

(C) जो शारीरिक-मानसिक दृष्टि से स्वस्थ है

(D) जिसे किसी प्रकार का कोई कष्ट नहीं है

(ii) दुखी व्यक्ति क्या करता है ?

(A) अपने मन को नियंत्रण में करने की कोशिश

(B) अपनी कमजोरियों को छिपाने की कोशिश

(C) दूसरों को प्रसन्न करने की कोशिश

(D) दूसरों में दोष निकालने की कोशिश

(iii) निम्नलिखित में राजा जनक से कुटज की तुलना करने का कारण ***नहीं*** है :

(A) अपने मन पर नियंत्रण रखना

(B) संसार में रहते हुए भी उससे मुक्त रहना

(C) कामनाओं से मुक्त वैरागी जीवन जीना

(D) दूसरों को समान स्तर पर लाने की कोशिश करना

(iv) 'कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता' – कथन में निहित संदेश है :

(A) मन के कहे अनुसार जीवन में सभी कार्य करें ।

(B) कामनाओं की पूर्ति हेतु चुनौतियों का सामना करें ।

(C) यद्यपि मन चंचल है पर मन को अनदेखा न करें ।

(D) स्वयं पर नियंत्रण रखें, मन पर विजय प्राप्त करें ।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : कमजोर, अस्थिर, चंचल मन वाला व्यक्ति बाह्य परिस्थितियों से जल्दी प्रभावित होता है ।

कारण : उसकी इंद्रियाँ उसके नियंत्रण में नहीं रहतीं, वह सदैव असंतुष्ट रहता है ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

तुमने कभी देखा है
खाली कटोरों में वसंत का उतरना !
यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता
और खाली होता है यह शहर
इसी तरह रोज़-रोज़ एक अनंत शव
ले जाते हैं कंधे
अँधेरी गली से
चमकती हुई गंगा की तरफ़

(i) 'खाली कटोरों में वसंत का उतरना' से अभिप्राय है :

(A) शहर में वसंत का आगमन होना

(B) खाली कटोरों का पैसों से भर जाना

(C) जीवन में प्रसन्नता का छा जाना

(D) वसंत में पेड़ों का फूलों से लद जाना

(ii) 'यह शहर इसी तरह खुलता है'— इस पंक्ति का आशय है :

(A) हर दिन की शुरुआत उल्लास के साथ होती है

(B) बनारस शहर की दिनचर्या निश्चित है

(C) इस शहर में दुकानें खुलने का एक निश्चित समय है

(D) हर दिन की शुरुआत पूजा-अर्चना से होती है

(iii) 'इसी तरह भरता और खाली होता है यह शहर' – इस पंक्ति में भरने और खाली होने से अभिप्राय है :

(A) शहर की पूर्णता और रिक्तता से

(B) कटोरों के भरने और खाली होने से

(C) तीर्थयात्रियों के आवागमन से

(D) सैलानियों के घूमने-फिरने से

(iv) 'चमकती हुई गंगा' प्रतीकार्थ है :

(A) झिलमिल करती गंगा का

(B) चाँदी-सी चमकती गंगा का

(C) जीवनदायिनी गंगा का

(D) मोक्षदायिनी गंगा का

(v) 'अँधेरी गली' से अभिप्राय है :

(A) अंधकारयुक्त रास्ता

(B) सुनसान रास्ता

(C) मृत्युरूपी अंधकार

(D) जीवनरूपी अंधकार

collegebatch.com

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) महेश को अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों का अर्थ समझने में कठिनाई का अनुभव होता है । रुक-रुक कर अपनी पसंद के समाचार जानने के लिए संचार के निम्नलिखित साधनों में से उसके लिए कौन-सा साधन उपयुक्त रहेगा ?

(A) टी.वी. (B) समाचार-पत्र

(C) रेडियो (D) इंटरनेट

(ii) समाचार-पत्रों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने और उसे संदर्भ की तरह इस्तेमाल करने का कारण :

(A) उसका स्थायित्व का गुण है ।

(B) उसमें शब्दों का उपयुक्त प्रयोग है ।

(C) उसमें लिखित भाषा की विशेषताएँ हैं ।

(D) उसमें वर्तनी की शुद्धता है ।

(iii) समाचार माध्यमों में काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों तथा श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विविध रूपों का इस्तेमाल करते हैं, वह क्या कहलाता है ?

(A) संपादकीय लेखन (B) फ़ीचर लेखन

(C) स्तंभ लेखन (D) पत्रकारीय लेखन

(iv) विशेष रिपोर्ट तैयार करने के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को ध्यान में रखकर उचित क्रम वाले विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. किसी घटना, समस्या या मुद्दे से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्यों को इकट्ठा किया जाता है ।

II. किसी घटना, समस्या या मुद्दे की गहरी छानबीन की जाती है ।

III. तथ्यों का विश्लेषण कर नतीजे, प्रभाव और कारणों को स्पष्ट किया जाता है ।

विकल्प :

(A) III, I और II (B) I, III और II

(C) II, III और I (D) II, I और III

(v) कारोबार और अर्थ जगत से जुड़ी रोजमर्रा की ख़बरें लिखी जाती हैं :

(A) उलटा पिरामिड शैली में

(B) कथात्मक शैली में

(C) सीधा पिरामिड शैली में

(D) विश्लेषणात्मक शैली में

collegebatch.com

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) 40 अंक

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) भीड़ भरी बस में यात्रा का अनुभव

(ख) अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का बढ़ता कद

(ग) युद्ध ही अंतिम विकल्प नहीं

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) पत्रकारीय लेखन के किस रूप को पाठकों का अपना स्तंभ कहा जा सकता है और क्यों ?

(ख) तकनीकी प्रगति के बावजूद हिन्दी की वेब पत्रकारिता अपने शैशवकाल में ही क्यों है ? इसकी प्रगति के लिए क्या आवश्यक है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) 'शब्दों से जुड़ना कविता की दुनिया में प्रवेश करना है ।' सिद्ध कीजिए ।

(ख) कहानी में संवादों की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

(ग) नाटक में स्वीकार एवं अस्वीकार की अवधारणा से क्या तात्पर्य है ?

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'सरोज स्मृति' एक शोक गीत है, टिप्पणी कीजिए ।

(ख) 'वसंत आया' कविता में कवि ने जीवन की किस विडंबना का उल्लेख किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'कूकभरी मूकता बुलाय आप बोलिहै' पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि घनानंद के इस विश्वास का आधार क्या है ।

collegebatch.com

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) श्रमित स्वप्न की मधुमाया में,
गहन-विपिन की तरु-छाया में,
पथिक उनींदी श्रुति में किसने –
यह विहाग की तान उठाई ।
लगी सतृष्ण दीठ थी सबकी,
रही बचाए फिरती कबकी ।
मेरी आशा आह ! बावली,
तूने खो दी सकल कमाई ।

अथवा

(ख) सौर सुपेती आवै जूड़ी । जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी ।।
चकई निसि बिछुरैं दिन मिला । हौं निसि बासर बिरह कोकिला ।।
रैनि अकेलि साथ नहिं सखी । कैसें जिऔं बिछोही पँखी ।।
बिरह सचान भँवै तन चाँड़ा । जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा ।।

12. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'बालक बच गया' का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि बालक बचने की बात लेखक ने किस प्रसंग में कही है ।

(ख) डटकर खाने और अफर कर सोने वाले संवदिया के साथ ऐसा क्या हुआ कि बड़ी बहुरिया के गाँव बिंहपुर में उसे भूख-प्यास नहीं लग रही थी, नींद नहीं आ रही थी ?

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए कि मंदिर में संभव के साथ क्या घटना घटी ।

13. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) बात की काँट-छाँट का क्या कहना है ! जो बातें उनके मुँह से निकलती थीं, उनमें एक विलक्षण वक्रता रहती थी । उनकी बातचीत का ढंग उनके लेखों के ढंग से एकदम निराला होता था । नौकरों तक के साथ उनका संवाद सुनने लायक होता था । अगर किसी नौकर के हाथ से कभी कोई गिलास वगैरह गिरा तो उनके मुँह से यही निकला कि "कारे बचा त नाहीं" । उनके प्रश्नों के पहिले 'क्यों साहब' अकसर लगा रहता था ।

अथवा

(ख) आने वाले वर्षों में सब कुछ मटियामेट हो जाएगा – झोंपड़े, खेत, ढोर, आम के पेड़ – सब एक गंदी, 'आधुनिक' औद्योगिक कॉलोनी की ईंटों के नीचे दब जाएगा – और ये हँसती-मुस्कुराती औरतें, भोपाल, जबलपुर या बैढ़न की सड़कों पर पत्थर कूटती दिखाई देंगी । शायद कुछ वर्षों तक उनकी स्मृति में अपने गाँव की तसवीर एक स्वप्न की तरह धुँधलाती रहेगी, किंतु धूल में लोटते उनके बच्चों को तो कभी मालूम भी नहीं होगा कि बहुत पहले उनके पुरखों का गाँव था – जहाँ आम झरा करते थे ।

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *3*

(क) झोंपड़ी जल जाने और संचित जमा पूँजी खो जाने के बावजूद भी सूरदास किसी से प्रतिशोध लेने में विश्वास नहीं रखता, बल्कि पुनर्निर्माण की बात करता है । कथन के संदर्भ में सूरदास जैसे चरित्र की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है ?

अथवा

(ख) 'अपना मालवा...' पाठ के संदर्भ में सदानीरा नदियों के नालों में बदल जाने के कारणों का उल्लेख कीजिए । इस दिशा में अपने सुझाव भी दीजिए ।